JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025

(JULY SESSION)

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

MJD101 - JAIN HISTORY, CULTURE, LITERATURE & ART

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरिष्टनेमि की ऐतिहासिकता को सिद्ध करते हुए उनके वैदिक साहित्य के प्रमाण को समझाए?

Prove the Lord Aristhnemi historically and also explain the Profs of Arishtnemi in vedic literature?

अथवा / OR

भगवान् पार्श्व की ऐतिहासिकता पर विस्तार से प्रकाश डालिए?

Throw light on historicity of Lord Parshav?

प्र. 2. तीर्थ से क्या तात्पर्य है? जैन तीर्थ स्थानों का वर्णन करें?

What do you understand by Pilgrimage? Explain Jain Pilgrimage?

अथवा / OR

जैन पर्वों की सामान्य विशेषताएं बताते हुए किन्हीं दो प्रमुख पर्वों का वर्णन करें?

Explain any two main Jain festivals while explaining general characteristics of Jain festivals?

प्र. 3. जैन मूर्तिकला की विकास यात्रा का वर्णन करें?

Describe the development journey of Jain Sculpture?

अथवा / OR

जैन गुफाओं की विशेषताएं बताते हुए खण्डगिरि–उदयगिरि की गुफाओं का वर्णन करें।

Explain the characteristics of Jain Caves while explaining udaygiri and khandgiri?

प्र. 4. आगम साहित्य को पंचागी क्यों कहते हैं?

Why does Canonical Literature called as 'Panchangi'?

अथवा / OR

चूर्णि साहित्य को विस्तार से समझाए?

Describe Churni Literature in detail?

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए– / Write short note on any four-

(i) आचार्य समन्तभद्र का विशिष्ट योगदान / Special contribution of Acharya Samantbhadra

(ii) पउमचरिय / Paumacariya

(iii) गीतिकाव्य / Geetikavya

(iv) आचार्यश्री महाप्रज्ञ द्वारा रचित जैन योग ग्रंथ / Jain Yoga Texts written by Acharya Mahapragyaji

(v) जैन चित्रकला / Jain Paintings

(vi) महावीर का बचपन / Childhood of Mahaveer

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN
DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025
(JULY SESSION)
M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY
(PREVIOUS YEAR)
MJD102 - JAIN METAPHYSICS AND ETHICS

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. धर्म और अधर्म द्रव्य की स्वरूप मीमांसा करते हुए विज्ञान से उनकी तुलना कीजिये।

Discuss the nature of Dharma and Adharma Dravya, comparing it with science.

अथवा / OR

भारतीय दर्शन में द्रव्य का स्वरूप बताते हुए जैन दृष्टि से उसकी व्याख्या कीजिये।

Explain the nature of Dravya in Indian philosophy and its interpretation from the Jain perspective.

प्र. 2. आकाश का सिद्धांत क्या है? पाश्चात्य और जैन दृष्टि की तुलना कजिये।

What is the theory of Akasha (Space)? Compare the Western and Jain perspective.

अथवा / OR

षड्जीवनिकाय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

Explain the concept of Shad-Jeevanikaya.

प्र. 3. परमाणु का क्या स्वरूप है? उसकी बंध प्रक्रिया की व्याख्या कीजिये।

What is the nature of the atom (Parmanu)? Explain its binding process.

अथवा / OR

जैन आचार की अवधारणा पर एक निबंध लिखिये।

Write an essay on the concept of Jain Acharya (Jain conduct).

प्र. 4. श्रावकाचार पर एक निबंध लिखें।

Write an essay on Shravakachara (conduct of Jain House holder).

अथवा / OR

षडावश्यक की विस्तृत व्याख्या करें।

Provide a detailed explanation of the concept of Shad-Avashyaka (Six essential practices).

प्र. 5. चतुर्विध संघ की क्या अवधारणा है? विस्तार से समझाइये।

What is the concept of Chaturvidha Sangha? Explain in detail.

अथवा / OR

सल्लेखना के महत्व पर प्रकाश डालिए।

Highlight the importance of Sallekhana.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025

(JULY SESSION)

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

MJD103 - JAIN THEORY OF DHYANA, YOGA AND KARMA

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. ध्यान का स्वरूप बताते हुए आर्त्तध्यान के भेदों को सविस्तार समझाइये।
Explain the nature of meditation and the types of Artadhyan in detail.

अथवा / OR

पिण्डस्थ ध्यान का स्वरूप बताते हुए प्रयोग को सविस्तार स्पष्ट कीजिये।
Explain the practice in detail while describing the nature of Pindastha dhyana.

प्र. 2. आधुनिक युग में प्रेक्षाध्यान की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिये।
Explain the relevance of Preksha-dhyana in ther modern era.

अथवा / OR

प्रेक्षाध्यान का मूलस्रोत बताते हुए इसके अभ्युदय को स्पष्ट कीजिये।
Explain the origin of Preksha-dhyana and explain its origine.

प्र. 3. आधुनिक संदर्भ में अनुप्रेक्षाओं का संक्षेप में परिचय दीजिये।
Briefly introduce the implications in the modern context.

अथवा / OR

भावलेश्या को विस्तारपूर्वक समझाइये।
Explain Bhavleshya in detail.

प्र. 4. जैन योग में आचार्य हरिभद्र के अवदान पर प्रकाश डालिये।
Throw light on the contribution of Acharya Haribhadra in Jain yoga.

अथवा / OR

योग का स्वरूप बताते हुए अष्टांग योग में से यम और नियम को समझाइये।
Explaining the nature of yoga, yama and niyama from Ashtang yoga.

प्र. 5. जैनदर्शन के अनुसार द्रव्यकर्म और भावकर्म को उदाहरण सहित समझाइये।
According to Jainism, explain material action and emotional action with examples.

अथवा / OR

बन्ध का स्वरूप बताते हुए बन्ध के प्रकारों का सविस्तार वर्णन कीजिये।
Explain the nature of the bond and describe the types of bond in detail.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025

(JULY SESSION)

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

MJD104 - JAIN EPISTEMOLOGY AND JAIN LOGIC

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. ज्ञान विचार विकास की भूमिकाओं पर विस्तृत चर्चा करें।
Discuss the development states of knowledge in detail.

अथवा / OR

मतिज्ञान पर विस्तार से प्रकाश डालें।
Elaborate on Philosophy.

प्र. 2. आचार्यों द्वारा निबद्ध श्रुत परम्परा की चर्चा करते हुए संज्ञी श्रुत के बारे में आप क्या जानते हैं, स्पष्ट करें।
Discuss the Shrut tradition made by Acharyas? Also explain about Sangyi Shrut.

अथवा / OR

इन्द्रिय को परिभाषित करते हुए उसके भेद–प्रभेदों को समझाइए।
Define sense-organ while explaining its types and sub-types?

प्र. 3. मनःपर्यवज्ञान और अवधिज्ञान में साधर्म्य बताते हुए अन्य दर्शनों में अतीन्द्रिय ज्ञान पर प्रकाश डालें।
Explain the similarities between Mind-Reading and clairvoyance and also throw light on extra-sensory perception in different philosophies?

अथवा / OR

जैन न्याय के विकास पर विस्तार से विवेचन करें।
Explain the development of Jain Nyaya?

प्र. 4. प्रत्यक्ष ज्ञान पर विस्तार से व्याख्या करें।
Discuss direct knowledge in detail?

अथवा / OR

आगम साहित्य में द्वादशांग का वर्णन करते हुए बताये कि वे श्रुत प्रमाण कैसे हैं?
Explain the Dvadashanga in cannonical literature and describe how they are Shrut praman?

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–
Write short note on any four-

(i) अनक्षर श्रुत / Anakshar Shrut
(ii) अवधिज्ञान उत्पत्ति क्षेत्र / Originating Area of Clairvoyance
(iii) विभिन्न दर्शन में सर्वज्ञवाद / Sarvagyavada and Different Philosophies
(iv) आचार्य हेमचन्द्र / Acharya Hemchandra
(v) प्रमेय / Object of knowledge
(vi) प्रमाण / Pramana

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025

(JULY SESSION)

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

MJD105 – JAIN SANSKRITI EVAM JEEVAN MULYA

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. लघूत्तरात्मक प्रश्न / Short Answer Type Questions **11X1 = 11**

(i) जिन किसे कहते हैं?
Who is called Jina?

(ii) धर्म का स्वरूप लिखिए।
Write the nature of Dharma.

(iii) तीसरे तीर्थंकर का नाम लिखिए।
Write the name of Third Tirthankara.

(iv) जैनाचार से क्या तात्पर्य है?
What do you mean by Jain Ethics?

(v) तत्त्व किसे कहते हैं?
What is Tattva?

(vi) लोक की परिभाषा लिखिए।
Write the definition of Loka.

(vii) व्रत किसे कहते हैं?
What is Vratas?

(viii) पर्यावरण से क्या तात्पर्य है?
What do you mean by Environment?

(ix) प्रेक्षाध्यान क्या है?
What is Preksha Dhyan?

(x) पाप के कितने भेद हैं?
How many types of Sin?

(xi) हिंसा किसे कहते हैं?
What is Violence?

(xii) दया से आप क्या समझते हैं?
What do you know about Kindness?

प्र. 2. किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखिए– / Write a short note on any five- **5X4 = 20**

- **(i)** जैन साहित्य / Jain Literature
- **(ii)** रत्नत्रय / Three Jewels
- **(iii)** श्रावकाचार / House Holder Vow
- **(iv)** षड्द्रव्य / Six Substance
- **(v)** समय प्रबन्धन / Time Management
- **(vi)** जैन दर्शन और विज्ञान / Jain Philosophy and Science
- **(vii)** मनोविज्ञान और ध्यान / Psychology and Meditation

प्र. 3. निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
Write the following any three question- **3X13 = 39**

- **(i)** जैन धर्म की प्राचीनता स्पष्ट कीजिए।
  Explain the antiquity of Jainism.
- **(ii)** जैन सम्प्रदायों का वर्णन कीजिए।
  Describe the Jain schools.
- **(iii)** जैन जीवन शैली का वर्णन कीजिए।
  Describe the Jain way of life.
- **(iv)** लक्ष्य प्रबन्ध को स्पष्ट कीजिए।
  Explain the Aim Management.
- **(v)** प्रेक्षाध्यान का स्वरूप एवं महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
  Explain the nature and importance of Preksha Meditation.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025

(JULY SESSION)

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

MJD201 - JAIN CANONICAL LITERATURE

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग सूत्र के आधार पर षड्जीव–निकाय पर निबंध लिखें।
Write essay on Six Living Entity on the basis of Acaranga Sutra.

अथवा / OR

आचारांग सूत्र के आधार पर आश्रव व संवर को विस्तार से समझाए।
Explain Aashrav and Samvar in detail on the basis of Acaranga Sutra.

प्र. 2. सूत्रकृतांग सूत्र के आधार पर जन्म–मरण की परम्परा को विस्तार से समझाए।
Explain the tradition of life and death on the basis of Sutrakritanga Sutra.

अथवा / OR

संसार का कारण क्या है व संसार से कौन मुक्त हो सकता है? इस विषय को सूत्रकृतांग सूत्र के आधार पर समझाए।
What is the cause of world and who can liberate? Explain on the basis of Sutrakritanga Sutra.

प्र. 3. जीव व पुद्गल के संबंध को भगवती सूत्र के आधार पर समझाए।
Explain the relation between Soul and Matter on the basis of Bhagvati Sutra.

अथवा / OR

आत्म कर्तृत्व को भगवती सूत्र के आधार पर समझाए।
Explain the concepts does soul on the basis of Bhagvati Sutra.

प्र. 4. उत्तराध्ययन सूत्र का सारगर्भित परिचय लिखें।
Write a concise introduction of Uttaradhyan sutra.

अथवा / OR

दशवैकालिक सूत्र के आधार पर धर्म के स्वरूप को समझाए।
Describe the nature of dharma on the basis of Dasvekalika Sutra.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–
Write short note on any four-

(i) नय का स्वरूप व भेद–प्रभेद / Nature & type-subtype of Naya

(ii) समयसार का परिचय / Introduction of Samaysara

(iii) गुरु–शिष्य संबंध / Guru-Disciple Relation

(iv) जीव–अजीव का स्वरूप–समयसार के आधार पर / Nature of Soul and Nonsoul on the basis of Samaysara

(v) नमस्कार मंत्र का मूल स्रोत– भगवती सूत्र के आधार पर / Original basis of Namaskar Mahamantra on the basis of Bhagvati Sutra

(vi) अहिंसा / Nonviolence

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN
DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025
(JULY SESSION)
M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY
(FINAL YEAR)
MJD202 - ANEKANTA, NAYA, NIKSHEPA AND SYADAVAD

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैनदर्शन में नयवाद का महत्व स्पष्ट कीजिए।
Explain the importance of Nayavada in Jain philosophy.

अथवा / OR

आचार्य सिद्धसेन के अनुसार नयों के दृष्टांत लिखिए।
Write the examples of Naya, according to Acharya Siddhasena.

प्र. 2. अर्थपर्याय क्या है? स्पष्ट कीजिए।
What is Arthaprayay? Explain it.

अथवा / OR

जैनदर्शन में पुद्गल का स्वरूप एवं भेदों को स्पष्ट कीजिए।
Explain the nature and type of Pudagala (Matter) in Jainism.

प्र. 3. अनेकांत सिद्धांत का उद्भव और विकास लिखिए।
Write about the origin and development of Anekant theory.

अथवा / OR

भारतीय दर्शनों के समन्वय में अनेकान्त की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
Explain the role of Anekanta in the co-ordination of Indian philosophy.

प्र. 4. सप्तभंगी सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।
Explain the theory of Saptabhangi.

अथवा / OR

प्रमेय का स्वरूप लिखिए।
Write the nature of Prameya.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–
Write short note on any four-

(i) निश्चय नय / Nishchay Naya

(ii) स्याद्वाद / Syadvada

(iii) व्यंजन पर्याय / Vyanjan Paryaya

(iv) आचार्य सिद्धसेन / Acharya Siddhasena

(v) सांख्यदर्शन में सामान्य / General in Sakhya Philosophy

(vi) निक्षेप / Nikshepa

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025

(JULY SESSION)

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

MJD203 - JAIN RELIGION-PHILOSOPHY & INDIAN RELIGION-PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन में आत्मा का स्वरूप बताते हुए सांख्य एवं वेदान्त के साथ उसकी तुलना कीजिए।

Explain the nature of soul in Jain philosophy and comparative explanation with Sankhya and Vedanta philosophy.

अथवा / OR

टिप्पणी लिखें – / Write a short note on –

(i) जैन दर्शन में सत् का स्वरूप /
Nature of reality in jain philosophy.

(ii) जैन एवं सांख्य दर्शन में पुद्‌गल /
Pudgal (Matter) in Jain and Sankhya philosophy.

(iii) बौद्ध एवं जैन दर्शन में मोक्ष /
Salvation in Boddh and Jain philosophy.

प्र. 2. भारतीय दर्शन में अहिंसा के स्वरूप को समझाए एवं वर्तमान में इसकी क्या उपयोगिता है?

Describe the nature of Non-violence in Indian philosophy and what is the utility of it in present era?

अथवा / OR

जैन एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार तप की व्याख्या कीजिए।

Explain the fasting according to Jain and Boddh philosophy.

प्र. 3. जैन एवं बौद्ध दर्शन के परिप्रेक्ष्य में 'अविद्या' की अवधारणा का विस्तार से विवेचन करें।

Explain in detail, the concept of "Avidya" in perspective of Jain and Boddh philosophy.

अथवा / OR

जैन एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार कर्म सिद्धांत का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

Explain a comparative analysis of theory of karma according to Jain and Boddh philosophy.

प्र. 4. टिप्पणी लिखें – / Write a short note on –

(i) अनुमान–बौद्ध दर्शन में / Assumption in Buddhist philosophy.

(ii) प्रमाण–भारतीय दर्शन में / Evidence in Indian philosophy.

अथवा / OR

भारतीय दर्शन में अनेकान्तवाद का क्या स्थान है? प्रकाश डालें।

What is the place of "Anekantvaad" in Indian philosophy. Explain it.

प्र. 5. जैन दर्शन में ध्यान के प्रकार बताते हुए योग दर्शन से उसकी साम्यता लिखें।

Explain the types of Meditation in Jain philosophy. Write its similarity with yoga philosophy.

अथवा / OR

टिप्पणी लिखें – / Write a short note on –

(i) गीता में भक्ति / Bhakti in Geeta.

(ii) विपश्यना / Vipashyna.

(iii) जैन धर्म में भक्ति / Bhakti in Jain religion.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION – 2025

(JULY SESSION)

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

MJD204 - JAIN RELIGION-PHILOSOPHY AND NON INDIAN RELIGION-PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरस्तू और जैन दर्शन के द्रव्य एवं आकार की तुलना कीजिए।
Compare the substance and form of Aristotle and Jain philosophy.

अथवा / OR

द्वैतवाद किसे कहते हैं? जैन और डेकार्ट के द्वैतवाद की तुलना कीजिए।
What is dualism? Compare it between Jain and Descartes Philosophy.

प्र. 2. लाइबनीज और कान्ट के देश और काल के संबंध में विवेचना कीजिए।
Explain the relation of space and time between Leibnitz and Kant.

अथवा / OR

ह्यूम और कान्ट के आत्मा की तुलना कीजिए।
Compare the soul between Hume and Kant.

प्र. 3. डेकार्ट और जैन दर्शन के द्रव्य विचार की तुलना कीजिए।
Compare the substance of Descartes and Jain philosophy.

अथवा / OR

ह्यूम और जैन दर्शन के कार्यकारय संबंध की व्याख्या कीजिए।
Explain the relation of Cause and effect theory according to Hume and Jain philosophy.

प्र. 4. कनफ्यूशियस और जैन धर्म में नीतिशास्त्र की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
Clarify the concept of ethics according to confucious and Jain religion.

अथवा / OR

इस्लाम और जैन धर्म में नीतिशास्त्र की अवधारणा की तुलना कीजिए।
Compare the concept of ethics in Islam and Jain religion.

प्र. 5. जैन धर्म में अहिंसा पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Jain Non-violence.

अथवा / OR

अणुव्रत किसे कहते हैं? स्वस्थ समाज के लिए अणुव्रत की भूमिका की व्याख्या कीजिए।
What do you know about Anuvrat? Explain the role of Anuvrat for healthy society.

♦♦♦